रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 4 जून, 2026

वर्ष 02 | अंक 135 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

दिल्ली के होटल में

भीषण 'अग्निकांड'

21 लोगों की मौत, 40 लोगों को बचाया गया

मरने वालों में ज्यादातर विदेशी नागरिक शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर में बुधवार सुबह फ्लरिश स्टे नाम के होटल में आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में ज्यादातर विदेशी नागरिक हैं। जो सेंट्रल एशिया और अफ्रीकी देशों से हैं। कितने विदेशी नागरिक मारे गए हैं, फिलहाल इसकी सटीक जानकारी सामने नहीं आई है। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीयों लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने होटल के कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई। घटना के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आ रहे हैं।

- **रेस्टोरेंट के ऊपर होटल था, आग 6 मंजिल तक पहुंची-** आग 6 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने बी-एन-बी रेस्टोरेंट में लगी। कुछ देर बाद होटल में ऊपर की तरफ फैल गई। यह होटल दिल्ली के प्रेस एन्क्लेव रोड पर है। यहीं पर मैक्स हॉस्पिटल और एम्स भी है। बताया जा रहा है कि इन अस्पतालों में इलाज कराने आने वालों के परिजन भी इस होटल में रुका करते थे।
- **होटल के पास 6 रूम की परमिशन थी, लेकिन 25 कमरे थे-** फ्लरिस स्टे गेस्टहाउस को बेड एंड ब्रेकफास्ट कॉन्सेप्ट के तहत लाइसेंस जारी किया गया था। इसके तहत 6 रूम की परमीशन थी, लेकिन 25 कमरे बने थे। आग लगने के बाद होटल के रेस्टोरेंट के बेसमेंट में भी काफी लोग फंसे थे। इसमें अंदर जाने और बाहर निकलने का रास्ता एक ही था, जो बहुत संकरा था। होटल के पास फायर एनओसी नहीं थी। आने जाने का एक ही रास्ता था।

मालवीय नगर अग्निकांड में गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज

मालवीय नगर होटल अग्निकांड केस में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक होटल में आने-जाने के लिए केवल एक ही रास्ता था। अब होटल के फायर सेफ्टी एनओसी और सुरक्षा इंतजामों की जांच की जा रही है। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर रेस्तरां और ऊपर की मंजिलों पर होटल संचालित हो रहा था। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मालवीय नगर अग्निकांड में बचाव अभियान के दौरान 10 पुलिसकर्मी भी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें 5 हेड कांस्टेबल और 5 कांस्टेबल शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, ये सभी सबसे पहले इमारत के भीतर प्रवेश कर राहत और बचाव कार्य में जुटे थे। फिलहाल सभी पुलिसकर्मियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अब ट्यूबवेल पर निर्भर न रहें, तालाब रिचार्जिंग बढ़ाएं

- पीएचई की बैठक में बोले सीएम, अधिकारियों को दिए निर्देश

बताया-जल जीवन मिशन पूरा करने केंद्र देगा 5000 करोड़

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि पेयजल आपूर्ति में किसी भी क्षेत्र में कमी नहीं रहनी चाहिए। सीएम ने पीएचई विभाग के अफसरों से कहा कि केवल ट्यूबवेल पर निर्भरता कम करनी होगी और तालाब-सरोवर निर्माण तथा जल रिचार्जिंग पर विशेष फोकस करना होगा। साथ ही केंद्र सरकार से जल जीवन मिशन के लिए 5000 करोड़ रुपए की राशि मिलने जा रही है। जिससे मार्च 2028 से पहले प्रदेश में हर घर नल से जल का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। जल जीवन मिशन की प्रगति प्रदेश में जल जीवन मिशन का 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उज्जैन राजस्व संभाग सहित 11 जिलों में शत-प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है। अब तक 1 करोड़ 11 लाख से अधिक परिवारों को नल

कनेक्शन दिए गए हैं। प्रदेश के 75 प्रतिशत परिवार इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं। दिसंबर 2023 से अब तक 16.50 लाख से अधिक नए घरेलू नल कनेक्शन जारी किए गए हैं और 15,238 नए नलकूप व हैंडपंप स्थापित किए गए हैं।

सीएम बोले- हवा में मत रहिए, हम भागीरथपुरा देख चुके हैं

पीएचई की बैठक में एसीएस मनीष रस्तोगी जब ये बता रहे थे कि जल जीवन मिशन के जरिए इतने गांवों में जल प्रदाय योजनाओं के काम हो चुके हैं। इसी दौरान सीएम ने कहा आप लोग ज्यादा हवा में मत रहिए पेयजल के साथ सीवेज प्रबंधन की भी चिंता कीजिए। हम अभी कुछ समय पहले भागीरथपुरा की स्थिति देख चुके हैं। मैं जब इंदौर जाता हूं तो सीवेज की गंदगी देखकर शर्म आती है। बैठक में सीएम ने यह निर्देश दिए कि अब जल निगम का नाम जल एवं सीवेज प्रबंधन निगम होगा। अब पेयजल के साथ ही सीवेज प्रबंधन के कामों पर भी ध्यान दिया जाएगा।

मेट्रोपॉलिटिन रीजन के लिए पानी प्रबंधन पर काम करो

बैठक में सीएम ने कहा कि इंदौर और भोपाल मेट्रोपॉलिटिन एरिया में जब क्षेत्र बढ़ेगा तो पानी की जरूरत बढ़ेगी। तब पानी कहां से लाएंगे। इसके लिए सरफेस वाटर मैनेजमेंट प्लान बनाओ। दोनों मेट्रोपॉलिटिन रीजन में पेयजल, उद्योग और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता हो ऐसा प्लान बनाकर तैयार करो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने साफ कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अब केवल ट्यूबवेल पर आश्रित न रहे। तालाब व सरोवर निर्माण, जल संग्रहण और वॉटर रिचार्जिंग को प्राथमिकता दी जाए।

इससे जल संरक्षण, भूजल स्तर में वृद्धि और नल योजनाओं को स्थायी जल स्रोत मिलेंगे। इस कार्य में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिसर की विशेषज्ञता ली जाएगी।

हिन्दी पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा से युवा प्रेरणा लें: राज्यपाल

- सप्रे संग्रहालय में राज्यपाल श्री पटेल की जीवनी का हुआ लोकार्पण
- राज्यपाल ने पोस्टर प्रदर्शनी पुरखों को प्रणाम का किया अवलोकन

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता का प्रारंभिक काल अत्यंत चुनौती पूर्ण था। कर्मठ पत्रकारों ने ब्रिटिश हुकूमत की अनेक कठिनाइयों के बावजूद पत्रकारिता के आदर्शों और शुचिता को बनाए रखा। हिन्दी पत्रकारिता की इसी गौरवशाली परंपरा से युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को हिन्दी पत्रकारिता द्वि-शताब्दी महोत्सव, पुरखों को प्रणाम पोस्टर प्रदर्शनी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान द्वारा किया गया है। राज्यपाल ने महान पूर्वजों के स्मरण की अनुकरणीय पहल के लिए संस्थान को बधाई और साधुवाद दिया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ऐतिहासिक हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं और युग निर्माता संपादकों की पोस्टर प्रदर्शनी, पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक ले जाने का प्रेरक प्रयास है। प्रदर्शनी का आयोजन, राष्ट्र धर्म और जन सेवा के लिए जीवन समर्पित करने वाले युग निर्माता संपादकों के त्याग और समर्पण को सजीव करने के लिए किया गया है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प और ईंधन बचत के संदेश को आगे बढ़ाते हुए माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने अपने काफिले में इलेक्ट्रिक व्हीकल को शामिल किया है। साथ ही वे आधिकारिक काफिले में EV को जगह देने वाले देश के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। मा. मुख्यमंत्री जी की नई EV का नंबर MP-02-VB-2047 है, जहां "VB" का अर्थ "विकसित भारत" और "2047" विकसित भारत के लक्ष्य वर्ष का प्रतीक है।

अनसार लाला बने अमझेरा हुसैनी अखाड़े के खलीफा

हाजी सोहराब पटेल ने दी मुबारकबाद, कहा- मेरे करीबी भाई का यह सम्मान पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात।

इंदौर (मध्य प्रदेश) अमझेरा हुसैनी अखाड़े में खुशी का माहौल है। स्थानीय युवा नेता और सामाजिक कार्यकर्ता अनसार लाला को अखाड़े का नया खलीफा नियुक्त किए जाने पर बांक पंचायत के सरपंच हाजी सोहराब पटेल ने उन्हें बधाई दी है। बांक सरपंच हाजी सोहराब पटेल ने अनसार लाला को अपने करीबी भाई बताते हुए कहा, "अनसार लाला मेरा बहुत निकट का साथी और भाई है। अमझेरा हुसैनी अखाड़े के खलीफा पद पर उनकी नियुक्ति पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। वे अखाड़े की पुरानी परम्पराओं को संरक्षित रखते हुए नई पीढ़ी को जोड़ेंगे और मुहर्रम की शान बढ़ाएंगे। मैं उन्हें हार्दिक मुबारकबाद देता हूं।"अमझेरा हुसैनी अखाड़ा मुहर्रम के दौरान ताजिया जुलूस, की परम्परा और सामुदायिक सद्भाव के लिए प्रसिद्ध है। खलीफा पद की जिम्मेदारी संभालते हुए अनसार लाला ने कहा कि वे हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की शहादत की याद में अखाड़े की गरिमा बनाए रखेंगे और पूरे इलाके में भाईचारे का संदेश फैलाएंगे।हाजी सोहराब पटेल ने इस मौके पर अनसार लाला की सामाजिक सेवाओं की भी सराहना की।

आज मध्य प्रदेश के जिला ग्वालियर में पाल, बघेल समाज के युवाओं पर पुलिस प्रशासन के द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती समारोह में झूठा मामला पंजीबद्ध किये जाने के विरोध में एवं भिंड जिले दलित वर्ग की बेटी के साथ हुए सामूहिक बलात्कार और उसकी हत्या के आरोपियों पर सख्त कार्रवाई किए जाने के लिए ग्वालियर में पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन कार्यक्रम में शामिल हुआ।

आत्मसम्मान: सहजयोग की पहली सीढ़ी

प.पू. श्री माताजी निर्मला देवी के 27 मई 1989 के संदेश पर आधारित

मानव जीवन में अनेक गुणों का महत्व बताया गया है, किन्तु उनमें से एक ऐसा गुण है जो व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व और आध्यात्मिक उन्नति की नींव बनता है—आत्मसम्मान। प.पू. श्री माताजी निर्मला देवी ने अपने 27 मई 1989 के प्रवचन में स्पष्ट रूप से कहा कि "आत्मसम्मान सहजयोग की पहली सीढ़ी है।" आत्मसम्मान का अर्थ अहंकार नहीं है। यह स्वयं के भीतर स्थित दिव्यता, पवित्रता और मूल्य की पहचान है। जब व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप को समझता है, तब वह दूसरों से अनावश्यक प्रतिस्पर्धा, विवाद और संघर्ष में नहीं पड़ता। माताजी बताती हैं कि एक समझदार और विवेकशील व्यक्ति हर बात पर प्रतिक्रिया नहीं देता। वह पहले यह विचार करता है कि किसी विवाद या बहस का कोई औचित्य भी है या नहीं।

आज के समय में लोग छोटी-छोटी बातों पर तर्क-वितर्क, कटुता और संघर्ष में उलझ जाते हैं। इसका मुख्य कारण आत्मविश्वास और आत्मसम्मान की कमी है। जो व्यक्ति स्वयं को जानता है, वह अपनी ऊर्जा को निरर्थक चर्चाओं में नष्ट नहीं करता। उसका ध्यान अपने विकास, अपने कर्तव्यों और अपने आध्यात्मिक उत्थान पर रहता है। किन्तु आत्मसम्मान का अर्थ कायरता या निष्क्रियता भी नहीं है। माताजी स्पष्ट करती हैं कि जब सत्य की रक्षा का समय आता है, तब आत्मसम्मानी व्यक्ति पीछे नहीं हटता। वह साहसपूर्वक खड़ा होता है और सत्य के पक्ष में अपनी आवाज़ उठाता है। उसकी शक्ति क्रोध या आक्रामकता से नहीं, बल्कि सत्य और धर्म के प्रति उसकी निष्ठा से आती है। सहजयोग हमें अपने भीतर स्थित आत्मा के प्रकाश से जोड़ता है। जब यह संबंध स्थापित होता है, तब व्यक्ति अपने वास्तविक गौरव और सम्मान को अनुभव करता है। यह अनुभव उसे संतुलित, शांत और दृढ़ बनाता है। ऐसा व्यक्ति न तो दूसरों का अपमान करता है और न ही स्वयं का अपमान सहन करता है। वह प्रेम, करुणा और विवेक के साथ जीवन जीता है।

माताजी का संदेश हमें प्रेरित करता है कि हम अपने अंत:करण में आत्मसम्मान का विकास करें और उसे अपने व्यवहार में अभिव्यक्त करें

जब आत्मसम्मान हमारे जीवन का आधार बनता है, तब हमारे विचार, वाणी और कर्म सभी में गरिमा और संतुलन दिखाई देता है। यही गुण हमें एक बेहतर मनुष्य और एक सच्चा सहजयोगी बनाता है। अतः प्रत्येक साधक का प्रयास होना चाहिए कि वह अपने भीतर के आत्मसम्मान को जागृत करे, उसे पोषित करे और सत्य, प्रेम तथा धर्म के मार्ग पर चलते हुए उसे अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाए। यही सहजयोग की प्रथम सीढ़ी है और यही आध्यात्मिक उत्कर्ष का सुदृढ़ आधार भी। "हमें इसी आत्मसम्मान को अपने अंतःकरण में विकसित करना है, और इसे अपने आचरण में अभिव्यक्त करना है।" — प.पू. श्री माताजी निर्मला देवी सहज योग के बारे में अधिक जानकारी हेतु टोल-फ्री नंबर 1800-270-0800 पर या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर संपर्क कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतः निःशुल्क है।

रणजीत टाइम्स

पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष पप्पू यादव पिछले 19 साल से कर रहे नगर में नि :शुल्क जल सेवा

देपालपुर-- जल सेवा हि माधव सेवा के भाव को लेकर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष पप्पू यादव पिछले 19 सालो से देपालपुर नगर के लोगो की प्यास बुझाने का काम निःशुल्क और निः स्वार्थ भाव से करते आ रहे हैं सन 2007 से शुरू हुई यह सेवा आज भी निर्बाध रूप से जारी हे।वे टैंकरों से घर घर पानी पहुंचाकर भीषण गरमी में आमजन को जलसंकट से निजात दिलवा रहे हैं। वैसे तो पप्पू यादव की निः शुल्क टैंकर जल सेवा हर मौसम में जारी रहती है लेकिन गरमी में पानी की जरूरत बढ़ने से उन्हें रोज 25 से 30 पानी के टैंकर लगाने पढ़ते हैं। उनकी जल प्रदाय सेवा सुबह 6 बजे शुरू होकर रात 12 बजे तक चलती रहती है। फोन पर मिली एक सूचना पर हि वे पानी का टैंकर पहुंचवा देते है। शादी ब्याह मौत मैय्यत और सार्वजनिक कार्यक्रमों में तो वे बिना किसी सूचना के खुद ही टैंकर पहुंचवा देते हैं। 19 साल पहले उन्होंने जलसंकट की समस्या को देखते हुए आमजन के

लिए पानी के निः शुल्क टैंकर शुरू किए थे तब से लेकर आज तक उनकी जल सेवा की यह मुहिम चालू है वे अपने खर्च पर हि बिजली बिल टैंकर ट्रैक्टर में डीजल डलवाने और ड्रायवरो का वेतन देते है। वे अपने परिवार के पूर्वजों की स्मृति में 6 टैंकर चला रहे है। उनके छोटे भाई दिलीप यादव और शंकर यादव भी अपने बड़े भाई के जल सेवा प्रकल्प में बढ़चढ़ कर सहयोग करते है। पप्पू यादव की टैंकर जल सेवा लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है।

पूर्वजों की स्मृति में कर रहे जल सेवा-पप्पू यादव अपने पूज्य पिताजी स्वर्गीय रमेश पहलवान, दादा रतनलाल पहलवान, काका लक्ष्मीनारायण यादव, परदादा मंगल उस्ताद के नाम पर 6 पानी के टैंकर चला कर लोगो के घर घर पानी पहुंचा रहे है।

कालोनी वासियों का सहारा बने-नगर की शांति विहार अरिहंत नगर लीला रेसीडेंसी न्यू शांति विहार कालोनी में लगभग 300 परिवार रहते हैं कालोनियों के रहवासी निजी बोरिंगों पर आश्रित है गर्मी में वाटर लेवल नीचे गिरने से बोरिंग बन्द हो जाते हैं ऐसे में पप्पू यादव की टैंकर जल सेवा कालोनीवासियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं।

धार पुलिस में पदोन्नति का गौरवपूर्ण क्षण 06 आरक्षक कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नत

दिलीप पाटीदार

धार जिला पुलिस इकाई धार में आज वर्ष 2011 बैच के 06 आरक्षकों के कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नत होने के उपलक्ष्य में गरिमामय " पिपिंग सेरेमनी " का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित हुआ, जिसमें पदोन्नत कर्मचारियों को उनके नए दायित्व के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार श्री विजय डावर द्वारा पदोन्नत कर्मचारियों को प्रधान आरक्षक की फीता (रैंक बैज) लगाकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पदोन्नति केवल पद में वृद्धि नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों और अपेक्षाओं में भी वृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने पदोन्नत कर्मचारियों से अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण भाव से करते हुए विभाग की गरिमा को बनाए रखने का आह्वान किया। साथ ही नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करते हुए अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत बनने की अपेक्षा व्यक्त की। पदोन्नति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों में आरक्षक क्रमांक 317 सचिन डावर, आरक्षक क्रमांक 607 जगदीश पटेल, आरक्षक क्रमांक 856 दिलीप सोलंकी, आरक्षक क्रमांक 495 भंवर सिंह मकवाना, आरक्षक क्रमांक 846 संजय वर्मा एवं आरक्षक क्रमांक 730 मेहरबान गुर्जर शामिल रहे।

कार्यक्रम में रक्षित निरीक्षक श्री पुरुषोत्तम बिश्नोई सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पदोन्नत साथियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की गईं। धार पुलिस परिवार द्वारा सभी पदोन्नत प्रधान आरक्षकों के सफल एवं गौरवपूर्ण सेवाकाल की कामना की गई।

जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर सपरिवार चारधाम यात्रा से सकुशल लौटने पर आत्मीय स्वागत हुआ

महू-इंदौर- जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर सपरिवार भगवान बद्रीनाथ,केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री चार धाम यात्रा से कुशल घर लौटने पर शुभचिंतकों ने पुष्प माला से स्वागत कर एक दूसरे को मिठाई खिलाई। उन्होंने बताया इस यात्रा में उत्तराखंड की वादियों में स्वर्ग जैसा अनुभव हुआ।

आबकारी इंदौर की त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही

कलेक्टर इंदौर श्री शिवम वर्मा के आदेशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में, कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी तथा डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल, उड़नदस्ता प्रभारी कमलेश सोलंकी के निर्देशन में अवैध मदिरा के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 03.06.2026 को वृत्त आंतरिक क्षेत्र क्रमांक-01 के उप निरीक्षक आशीष कुमार जैन द्वारा प्राप्त सूचना पर कनाडिया बाईपास क्षेत्र में त्वरित कार्रवाई की गई, कार्रवाई के दौरान गोविंद पिता मोहन वैरागी उम्र- 19(वर्ष), निवासी देवास को अवैध मदिरा

के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 2 पेटी रॉयल चैलेज बोतल तथा परिवहन में प्रयुक्त TVS radion मोटरसाइकिल जिसका नंबर mp 13ZD0310 जप्त किया गया। जप्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 80 हजार रुपये है।

आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्रवाई में आरक्षकमुकेश रावत शुभम गोंड, विपुल खरे एवं वीरेन्द्र पटेल का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा। आबकारी विभाग इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावः महायुति ने खेला बड़ा दांव, 17 उम्मीदवारों की सूची जारी

मुंबई | महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव को लेकर महायुति ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सत्तारूढ़ गठबंधन ने चुनाव के लिए 17 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। अब सभी की निगाहें 18 जून को होने वाले मतदान पर टिकी हैं, जहां सत्ता और संगठन दोनों की परीक्षा होने वाली है। भाजपा नेता एवं महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रविंद्र चव्हाण ने दावा किया है कि महायुति के सभी उम्मीदवार भारी बहुमत से जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन के पास पर्याप्त संख्या बल है और विपक्ष के पास मुकाबले की कोई ठोस रणनीति नहीं है।

महायुति की प्रतिष्ठा का सवाल- विधान परिषद चुनाव को केवल एक सामान्य चुनाव नहीं माना जा रहा है। इसे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार और महायुति की राजनीतिक ताकत की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा, शिवसेना

(शिंदे गुट) और एनसीपी (अजित पवार गुट) इस चुनाव में एकजुट होकर मैदान में हैं।

विपक्ष की नजर क्रॉस वोटिंग पर-हालांकि महायुति जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है, लेकिन विपक्षी दलों की उम्मीदें क्रॉस वोटिंग और राजनीतिक समीकरणों पर टिकी हुई हैं। पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र की राजनीति में हुए बड़े उलटफेरों को देखते हुए राजनीतिक पर्यवेक्षक किसी भी संभावना से इनकार नहीं कर रहे हैं।

दिल्ली तक जाएगी चुनावी गूंज-राजनीतिक जानकारों का मानना है कि विधान परिषद चुनाव के नतीजे केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेंगे। परिणामों का असर आगामी स्थानीय निकाय चुनावों और भविष्य की राजनीतिक रणनीतियों पर भी पड़ सकता है। सत्ता बनाम विपक्ष की प्रतिष्ठा-एक ओर महायुति सभी 17 सीटें जीतने का दावा कर रही है, वहीं विपक्ष इस चुनाव को सत्ता पक्ष के लिए आसान नहीं मान रहा। ऐसे में 18 जून की वोटिंग और उसके बाद आने वाले नतीजे महाराष्ट्र की राजनीति की अगली दिशा तय कर सकते हैं।

अब बड़ा सवाल यही है—क्या महायुति 17 में 17 सीटें जीतकर अपनी राजनीतिक ताकत साबित करेगी, या विपक्ष कोई बड़ा उलटफेर कर सभी को चौंका देगा?

धार पुलिस में शामिल हुए 36 नए आरक्षक पुलिस अधीक्षक ने वितरित किए नियुक्ति प्रमाण पत्र

दिलीप पाटीदार

धार पुलिस परिवार में आज 36 नव चयनित आरक्षकों का स्वागत किया गया। पुलिस भर्ती परीक्षा-2025 में चयनित अभ्यर्थियों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय धार स्थित सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। चयनित अभ्यर्थियों में 17 महिला एवं 19 पुरुष अभ्यर्थी शामिल हैं। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा द्वारा सभी नव नियुक्त आरक्षकों को नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा उन्हें मध्यप्रदेश पुलिस परिवार का हिस्सा बनने पर शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस सेवा केवल एक रोजगार नहीं, बल्कि समाज एवं राष्ट्र की सेवा का एक महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने सभी नव आरक्षकों से अपेक्षा की कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी, अनुशासन, संवेदनशीलता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ करेंगे तथा पुलिस विभाग की गरिमा एवं जनता के विश्वास को सदैव बनाए रखेंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पुलिस की भूमिका केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन की समस्याओं को समझते हुए उन्हें त्वरित सहायता एवं न्याय उपलब्ध कराना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। नव आरक्षकों को जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने एवं जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार श्री विजय डावर, रक्षित निरीक्षक श्री पुरुषोत्तम बिश्नोई सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं पुलिस लाइन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात सभी नव नियुक्त आरक्षकों में उत्साह एवं प्रसन्नता का वातावरण देखने को मिला। धार पुलिस परिवार की ओर से सभी नव आरक्षकों को उनके उज्ज्वल, सफल एवं गौरवपूर्ण पुलिस जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

14 जून को आयोजित होगा ऑनलाइन योग सत्र, टोल फ्री नंबर पर मिस्ड कॉल देकर जुड़ें

झाबुआ । आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हाबिल्ड हेल्थ टेक प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 14 जून 2026 को प्रातः 6:15 बजे से 7:35 बजे तक ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस योग सत्र में सहभागिता के लिए इच्छुक नागरिक टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। समस्त विभागों, शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं से अनुरोध किया गया है कि वे अपने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन को अधिक से अधिक संख्या में इस योग सत्र से जुड़ने हेतु प्रेरित करें, ताकि योग के प्रति जागरूकता बढ़े और अधिकाधिक लोग इसके लाभ प्राप्त कर सकें।

गुंदीपाड़ा घटना में कलेक्टर के निर्देशन पर लापरवाही बरतने वाले पटवारी एवं ग्राम सचिव निलंबित

उपयंत्री के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए

सलीम हुसैन

झाबुआ, ग्राम गुंदीपाड़ा में 02 जून 2026 को एक कुएं में गिरने से 12 वर्षीय बालिका शिवानी की मृत्यु की घटना के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ द्वारा जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जांच में पाया गया कि घटना स्थल स्थित कुएं पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं का अभाव था तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं किया गया। प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में संबंधितों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की गई।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ द्वारा ग्राम गुंदीपाड़ा हल्का क्रमांक-26 के पटवारी श्री निलेश अखाड़े को अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही, क्षेत्र में नियमित भ्रमण नहीं करने, संवेदनशील गतिविधियों की जानकारी समय पर वरिष्ठ अधिकारियों को उपलब्ध नहीं कराने तथा आदेशों एवं निर्देशों का पालन नहीं करने के कारण तत्काल प्रभाव

से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही जांच में यह भी पाया गया कि घटना स्थल स्थित कुएं पर सुरक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं, जैसे मुंडेर एवं बाउंड्रीवाल आदि नहीं थीं तथा इस संबंध में पंचायत स्तर पर भी आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई थी। मामले में ग्राम गुंदीपाड़ा के सचिव श्री दलसिंह पालिया द्वारा खतरनाक कुओं एवं बोरवेलों की जानकारी सक्षम अधिकारियों को समय पर उपलब्ध नहीं कराई गई तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक उपाय भी सुनिश्चित नहीं किए गए। सचिव श्री दलसिंह पालिया की भी गंभीर लापरवाही परिलक्षित होने पर कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ द्वारा नियमानुसार उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

इसके अतिरिक्त लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एक उपयंत्री द्वारा लापरवाही बरतना पाए जाने पर कलेक्टर डॉ. भरसट ने कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को संबंधित उपयंत्री के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर डॉ. भरसट ने जिले के सभी राजस्व एवं पंचायत अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्रों में खुले एवं असुरक्षित कुओं तथा बोरवेलों का सर्वे कर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, झाबुआ (म.प्र.)

क्रमांक / 2055 / न.प./ 2026

:: जाहिर सूचना ::

झाबुआ, दिनांक 03 / 06 / 2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को जाहिर सूचना के जरिये सूचित किया जाता है कि इस निकाय को आवेदकों/केताओं/ हस्तांतरिती द्वारा भवन/खंडहर/प्लॉट पर पंजीकृत विक्रय पत्र/वंशानुक्रम/वसीयतनामा के आधार पर कर उददेश्य से नामांतरण आवेदन पत्र मय दस्तावेज के उसे अपने स्वामित्व के लिए म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत नामांतरण हेतु न.पा. राजस्व रिकॉर्ड में प्रविष्टि ई-नगर पालिका पोर्टल पर किये जाने हेतु प्राप्त हुए है। अतएव किसी भी व्यक्ति / जनसाधारण को प्रकरण मे कोई आपत्ति हो तो जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि के पूर्व प्रकरण मे आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद समयावधि के प्रकरण मे कोई आपत्ति मान्य / श्रवण योग्य नही होगी तथा हस्तांतरिती/आवेदक/केता का नाम नियमानुसार न.पा. राजस्व रिकॉर्ड/ई-नगर पालिका पोर्टल पर प्रविष्टि कर अंकित किया जावेगा।

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	संपत्ति कहाँ पर स्थित हैं व वार्ड क्रमांक	हस्तांतरण का आधार
01	02	03	04	05
01	मोहम्मद एजाज शेख पिता गफूर मोहम्मद शेख	मोहम्मद जाकीर पिता मोहम्मद गफूर शेख	वार्ड क्रमांक 02 कैलाश मार्ग भवन क्रमांक 8/2	दान पत्र, नजूल नामांतरण आदेश छायाप्रति
02	संदीप पाल पिता रामचन्द्र पाल एवं राखी पति संदीप पाल	यश राठौर पिता राजेश राठौर	वार्ड कमांक 09 मालीशेरी भवन क्रमांक 192/2	बिक्री पत्र एवं खाता खसरा नकल छायाप्रति बिकी
03	दिनेश डामोर पिता प्रकाश डामोर	शरमा वास्केल पति पारसिंह वास्केल	वार्ड क्रमांक 13 माधोपुरा भूखंड क्रमांक 113/5	पत्र, डायवर्सन आदेश छायाप्रति
04	मोहन भील पिता भुरा भील	पारसिंह वास्केल पिता रतनसिंह वास्केल	वार्ड क्रमांक 13 माधोपुरा भुखण्ड क्रमांक 112/8	बिकी पत्र, डार्वयसन आदेश छायाप्रति
05	मोहन भील पिता भुरा भील	पारसिंह वास्केल पिता रतनसिंह वास्केल	वार्ड क्रमांक 13 माधोपुरा भुखण्ड क्रमांक 112/9	बिकी पत्र, डार्वयसन आदेश छायाप्रति
06	मदलेन पति स्व. फ्रांसीस वाखला, दिपक एवं सुनिल पिता स्व. फांसीस वाखला	सोमसिंह भुरिया पिता वरसिंह भुरिया	वार्ड क्रमांक 16 उदयपुरिया भूखंड क्रमांक210/11	बिकी पत्र एवं खाता खसरा नकल छायाप्रति
07	मेहताबसिंह पिता छतरसिंह धारवा	प्रमिला बेवा मेहताबसिंह धारवा एवं यश कुमार पिता मेहताबसिंह धारवा	वार्ड क्रमांक 13 किशनपुरी भूखंड क्रमांक 221	मृत्यु प्रमाण-पत्र, पूर्व बिकी पत्र एवं तहसील नामांतरण आदेश छायाप्रति
08	जयश्री पति किशोर पाटिल एवं किशोर पिता भिला पाटिल	सोमील पिता सुरेशचंद्र जैन	वार्ड क्रमांक 16 उदयपुरिया भूखंड क्रमांक 35/3	बिकी पत्र एवं तहसील नामांतरण आदेश छायाप्रति
09	प्रमिला बेवा मेहताबसिंह धारवा एवं यश कुमार पिता मेहताबसिंह धारवा	ओरपा पति प्रतापसिंह पचाया	वार्ड क्रमांक 13 किशनपुरी भूखंड क्रमांक 221	बिकी पत्र एवं खाता खसरा नकल छायाप्रति
10	बेनेडिक मेडा पिता देवीसिंह मेडा	डेंविड भूरिया पिता पुरसन भूरिया	वार्ड क्रमांक 13 माधोपुरा भूखंड कमांक 77/5	बिकी पत्र एवं डायवर्सन आदेश छायाप्रति

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका झाबुआ (म.प्र.)
झाबुआ, दिनांक 03 / 06 / 2026

जिला चिकित्सालय झाबुआ में सामान्य प्रसव से तीन बेटियों का जन्म, मां एवं नवजात स्वस्थ

सलीम हुसैन

झाबुआ। जून जिला चिकित्सालय झाबुआ में एक दुर्लभ एवं सुखद घटना के तहत एक महिला ने सामान्य प्रसव के माध्यम से तीन स्वस्थ बेटियों को जन्म दिया। वर्तमान में माता एवं तीनों नवजात शिशुओं की स्थिति संतोषजनक है। जानकारी के अनुसार रीना पति सुकराम, निवासी कुशलपुरा जिला धार (मायका – गोपालपुरा, जिला झाबुआ) को प्रसव पीड़ा होने पर जिला चिकित्सालय झाबुआ में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की सतत निगरानी तथा कुशल प्रबंधन के परिणामस्वरूप सफलतापूर्वक सामान्य प्रसव कराया गया।

जन्मी तीनों नवजात बेटियों का वजन क्रमशः 1.2 किलोग्राम, 1.3 किलोग्राम एवं 1.8 किलोग्राम है। कम वजन होने के कारण प्रथम एवं द्वितीय नवजात को विशेष

निगरानी एवं उपचार के लिए एनआईसीयू में रखा गया है, जबकि 1.8 किलोग्राम वजन वाली नवजात अपनी माता के साथ स्वस्थ है। चिकित्सकों के अनुसार माता एवं तीनों नवजातों का स्वास्थ्य निरंतर बेहतर है। इस सफल प्रसव में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रतिष्ठा चौहान, नर्सिंग ऑफिसर मंजू निनामा एवं हिमानी खतरकर सहित समस्त लेबर रूम स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अस्पताल प्रशासन एवं सहयोगी कर्मचारियों द्वारा भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। जिला चिकित्सालय झाबुआ परिवार ने तीनों नवजात बेटियों एवं उनकी माता के उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह उपलब्धि जिला चिकित्सालय में उपलब्ध मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता तथा चिकित्सकीय टीम की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वन विभाग घसारही बीट के प्लांटेशन में करोड़ों की हरियाली या कागजों का खेला अधूरी बॉन्डी, अधूरे गड्ढे और भुगतान पर उठे गंभीर सवाल

हेमंत कुमार भार्गव

जंगल बचाने की योजना में भ्रष्टाचार का आरोप, ग्रामीणों ने मांगी उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर एफआईआर

करैरा। अमोला दक्षिण वन परिक्षेत्र की घसारही बीट अंतर्गत कक्ष क्रमांक 1032 में किए गए नवीन प्लांटेशन कार्य को लेकर क्षेत्र में भारी नाराजगी व्याप्त है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्लांटेशन के नाम पर सरकारी धन का खुला दुरुपयोग किया गया है और जमीनी हकीकत विभागीय अभिलेखों में दर्शाए गए कार्यों से मेल नहीं खाती। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि जिस कार्य को पूर्ण बताकर भुगतान निकाला गया, वहां आज भी न तो निर्धारित संख्या में गड्ढे दिखाई देते हैं और न ही प्लांटेशन संरक्षण के लिए आवश्यक बॉन्डी निर्माण पूरा हुआ है। स्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर बॉन्डी निर्माण अधूरा पड़ा हुआ दिखाई देता है, जबकि कुछ जगहों पर केवल पत्थरों को इकट्ठा कर औपचारिकता पूरी करने का प्रयास किया

गया है। यदि निर्माण कार्य वास्तव में पूर्ण हुआ है तो उसकी गुणवत्ता और वास्तविक स्थिति की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि प्लांटेशन के लिए खोदे गए कई गड्ढे मानकों के अनुरूप नहीं हैं। कुछ स्थानों पर गड्ढों की संख्या कम दिखाई दे रही है, जबकि कुछ गड्ढों को मशीनों से खोदे जाने की चर्चा भी क्षेत्र में हो रही है। लोगों का सवाल है कि यदि मजदूरों के नाम पर भुगतान किया गया तो फिर मशीनों का उपयोग किस अनुमति से किया गया और यदि मशीनों से कार्य हुआ तो संबंधित मद में भुगतान किस आधार पर स्वीकृत किया गया? क्षेत्रवासियों का कहना है कि वन विभाग द्वारा हर वर्ष पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन यदि धरातल पर कार्य अधूरे हैं और रिकॉर्ड में उन्हें पूर्ण दिखाया गया है तो यह अत्यंत गंभीर मामला है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे प्लांटेशन क्षेत्र का भौतिक सत्यापन कराया जाए, गड्ढों की वास्तविक संख्या की गणना हो, बॉन्डी निर्माण की माप पुस्तिका की जांच की जाए तथा भुगतान से संबंधित सभी दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं।

ग्रामीणों का आरोप है कि यदि जांच निष्पक्ष तरीके से कराई जाए तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। लोगों ने कलेक्टर शिवपुरी, वन संरक्षक एवं उच्च वन अधिकारियों से मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित ठेकेदारों की भूमिका की पड़ताल की जाए। यदि अनियमितता सिद्ध होती है तो राशि की वसूली, विभागीय कार्रवाई और आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने जैसे कठोर कदम उठाए जाएं।

क्षेत्रवासियों ने यह भी मांग की है कि यदि प्लांटेशन कार्य मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो पूरे कार्य को निरस्त कर पुनः कराया जाए ताकि शासन की मंशा के अनुरूप वास्तविक पौधरोपण और संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

10 साल से नहीं बढ़ा वेतन और न मातृत्व अवकाश व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने सहायक श्रमायुक्त से लगाई गुहार

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कार्यरत व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने वेतनमान, सामाजिक सुरक्षा और सेवा संबंधी विभिन्न समस्याओं को लेकर सहायक श्रम आयुक्त, ग्वालियर को ज्ञापन सौंपा। प्रशिक्षकों ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आउटसोर्स व्यवस्था के माध्यम से प्रदेशभर में लगभग 6000 व्यावसायिक प्रशिक्षक पिछले 10 वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन इस दौरान उनके वेतनमान में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की गई है। प्रशिक्षकों का कहना है कि वर्तमान में उन्हें मात्र 20 हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई और उनकी शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता के अनुरूप नहीं है। ज्ञापन में अन्य राज्यों की तर्ज पर 38 हजार से 42 हजार रुपये प्रतिमाह वेतनमान निर्धारित करने तथा प्रतिवर्ष कम से कम 5 प्रतिशत वेतनवृद्धि लागू करने की मांग की गई है। ज्ञापन में ईपीएफ, ईएसआई, दुर्घटना बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। महिला व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने सवेतन मातृत्व अवकाश नहीं मिलने का मुद्दा भी श्रम विभाग के समक्ष रखा। उनका कहना है कि मातृत्व अवकाश लेने पर कंपनियों द्वारा वेतन काट लिया जाता है, जबकि श्रम कानूनों के अनुसार यह कामकाजी महिलाओं का अधिकार है। इसके अलावा प्रशिक्षकों ने आकस्मिक अवकाश (सीएल) और चिकित्सीय अवकाश (एमएल) की समुचित व्यवस्था लागू करने तथा पूर्व में मिलने वाले एक आकस्मिक अवकाश को पुनः बहाल

करने की मांग की।

प्रशिक्षकों ने यह भी आरोप लगाया कि विद्यालयों में उनकी उपस्थिति वीटी मैनपावर एप के माध्यम से दर्ज की जाती है। कई बार तकनीकी कारणों से उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाती, जिसके चलते संबंधित दिवस का वेतन काट लिया जाता है। विद्यालय प्राचार्य द्वारा उपस्थिति प्रमाणित किए जाने के बावजूद उसे मान्यता नहीं दी जाती। इसके अलावा प्रत्येक शैक्षणिक सत्र समाप्त होने पर बिना किसी पूर्व सूचना के सेवा में कृत्रिम ब्रेक दिए जाने से भी प्रशिक्षकों को आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। व्यावसायिक प्रशिक्षकों का कहना है कि वे प्रदेश के विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी और कौशल आधारित शिक्षा प्रदान कर रहे हैं तथा कौशल विकास अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इसके बावजूद उन्हें सम्मानजनक वेतन और बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि लंबे समय से मांगों की अनदेखी होने से अस्थायी कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। प्रशिक्षकों ने सहायक श्रम आयुक्त से मांग की कि उनकी समस्याओं का शीघ्र निराकरण कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि उन्हें सम्मानजनक कार्य वातावरण और श्रम कानूनों के अनुरूप सुविधाएं प्राप्त हो सकें।

अपने आप को नागा साधु बताने वाला निकला शादीशुद

शाजापुर जिले के ग्राम बोलाई में हनुमान मंदिर पर रहने वाले अपने आप को नागा साधु बताने वाला निकला शादीशुदा 22 वर्ष पूर्व अपने आप को नारायण गिरी उर्फ नागा बाबा का परिवार भटकते भटकते ए पहुंचा अपने एक पिता के पास महिला ने नारायण गिरी को अपने बच्चों का पिता बताया महिला का कहना है कि 22 वर्ष पूर्व हम ईट बनाने का काम करते थे यह हमसे बोल कर गए की मैं किराणा का सामान लेकर आता हूं जब से आज तक यह लौटकर नहीं आए हम दर-दर भटकते रहे जब इस बारे में हमने महाराज जी से संपर्क किया तो की महाराज आप कौन से गांव से हैं महाराज जी अपना पता आज तक किसी को नहीं बता पाए अपनी गुप्त पहचान छुपा कर और महिलाओं को भी साथ में रखते हैं दो महिलाएं नागा महाराज ने पहले से ही मंदिर पर रख रखी है फिर इसमें तीसरी महिला की एंट्री हुई महिला नारायण गिरी को अपना पति वह

बच्चों का पिता बता रही है जब इस बारे लोगों ने महाराज जी से अखाड़े का प्रूफ मांगा तो वह भी नहीं दे पाए पता नहीं महाराज क्या राज छुपाना चाहते हैं ऐसे बाबाओ के द्वारा हिंदू धर्म को बदनाम किया जा रहा है लोग मंदिर को अपनी आस्था का केंद्र मानते हैं वहीं दूसरी तरफ ऐसे फर्जी बाबाओ के द्वारा हिंदू धर्म को बदनाम किया जा रहा है ऐसे बाबाओं पर मट के द्वारा प्रशासन के द्वारा कार्रवाई करना चाहिए वर्तमान में आए दिन धर्म के आड़ में के ही महात्माओं के द्वारा धर्म को बदनाम किया जा रहा है इससे जनता का विश्वास धर्म की आड़ में ऐसे बाबा फल फूल रहे हैं 2004 में महात्मा जी का आगमन बोलाई में हुआ था जब से लेकर आज तक महात्मा जी अपनी पहचान छुपा कर धर्म की आड़ में लोगों की आस्थाओं के साथ खिलवाड़ कर रह रहे हैं कभी पता पूछने पर टीकमगढ़ जिला बताना कभी ऋषिकेश हरिद्वार बताना कभी सांची जिला बताना कभी अपने आप को लोग बताना ऐसे में नागा बाबा जी के साथ में महिलाओं का संपर्क में आना इस बात लोगों में संदेह पैदा हुआ की महाराज जी तो अपने आप को लोग कहने वाले महिलाओं के बीच में रह रहे हैं ऐसे बाबाओ के द्वारा कब तक हिंदू धर्म को बदनाम किया जा रहा है वर्तमान में कुंभ के मेले में अन्य देशों में टीवी चैनलों के माध्यम से देखने को मिला कि कई कालनेमि महात्मा भगवा वस्त्र ओढ़ कर अन्य के गतिविधियों में लिप्त पाए गए जहां सरकार सख्त कदम उठा रही है भगवा के नाम पर हर कोई हिंदू धर्म को बदनाम करने में लगा हुआ है हिंदू धर्म को भारतवासी अपनी आस्था का केंद्र मानते हैं इस भगवा के रूप में चोला ओढ़ कर केई कॉल नेमि अपने आप को साधु संत बता कर केई मंदिरों को बदनाम करने में लगे हुए हैं इस तरह से कहीं अगर साधु संतों की जांच की जाए तो कई कालनेमि निकलेंगे नकली बाबाओ के कारण अच्छे साधु संतों को भी यह बोलना पड़ता है कि भगवा कि आड़ में केई कॉल नेमि अपना जीवन यापन कर रहे हैं जबकि उनको धर्म से कोई लेना-देना नहीं है ऐसे लोगों पर अखाड़ा एवं प्रशासन को मिलकर कार्रवाई करना चाहिए।

हर्सरा में सड़क हादसे में घायल युवक की मौत के बाद

ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, पुलिस पर लगे गंभीर आरोप

अतुल जैन

बामौर कलां। मध्य प्रदेश के खनियाधाना थाना क्षेत्र अंतर्गत हर्सरा चौराहा पर उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब एक सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस मामले में आरोपी को बचाने की कोशिश कर रही है।

(घटना का विवरण)

फरियादी भंवर सिंह (पुत्र जनका आदिवासी, निवासी ग्राम बिजरावन) के अनुसार, घटना 29 मई 2026 की है। वह अपने साले लालसिंह आदिवासी (28 वर्ष, निवासी ग्राम कसेरा) के साथ बजाज मोटरसाइकिल (क्रमांक MP33MV9658) से बामौरकलां की ओर जा रहे थे। शाम करीब 5 बजे जैसे ही वे हर्सरा में पावर हाउस के सामने पहुंचे, बामौरकलां निवासी देवांश गुप्ता द्वारा संचालित लोडिंग पिकअप (क्रमांक MP33GA2027) ने उनकी मोटरसाइकिल को सामने से जोरदार टक्कर मार दी।

(गंभीर चोटें और इलाज)

टक्कर इतनी भीषण थी कि भंवर सिंह और लालसिंह सड़क पर गिर गए। इस हादसे में भंवर सिंह को पीठ, कंधे और छाती में चोटें आईं, जबकि लालसिंह के सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। घायल लालसिंह को पहले खनियाधाना अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद उसे शिवपुरी जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में हालत गंभीर होने के कारण उसे ग्वालियर रेफर किया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

(पुलिस पर सवाल और प्रदर्शन)

परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज करने में बरती गई लापरवाही और आरोपी को बचाने का प्रयास किया है। भंवर सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर (FIR) को लेकर भी ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका दावा है कि पुलिस ने शिकायत को एनसीआर (NCR) के रूप में दर्ज किया, जबकि यह एक गंभीर दुर्घटना का मामला था।

(पुलिस का पक्ष)

इस मामले में पुलिस अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मामले में विधिवत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने प्रदर्शनकारी ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि कानून अपना काम कर रहा है और आरोपी के खिलाफ उचित कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि मामला एनसीआर नहीं, बल्कि एफआईआर के तहत ही दर्ज है और जो भी कानूनी दावा (क्लेम) है, वह न्यायालय में प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त होगा। फिलहाल, पुलिस की समझाइश के बाद ग्रामीणों ने जाम हटा दिया और शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। क्षेत्र में स्थिति अभी नियंत्रण में है, लेकिन स्थानीय लोगों में पुलिस की कार्रवाई को लेकर काफी रोष व्याप्त है।

बगीचा सरकार मंदिर में बुजुर्ग महिला की सोने की चैन चोरी, श्रद्धालुओं में बढ़ी चिंता

करैरा ब्यूरो। करैरा के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बगीचा सरकार हनुमान मंदिर में दर्शन करने पहुंची एक बुजुर्ग महिला चोरी की वारदात का शिकार हो गईं। भीड़भाड़ के बीच अज्ञात बदमाशों ने महिला के गले से सोने की चैन काट ली। घटना के बाद मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार रामदेवी त्रिपाठी (70 वर्ष) मंगलवार सुबह लगभग 10 बजे बगीचा सरकार मंदिर में दर्शन करने पहुंची थीं। बताया जाता है कि दर्शन के बाद जब वह हनुमान मंदिर के सामने स्थित सीढ़ियों के पास थीं, तभी भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात महिला ने उनके गले से सोने की चैन पार कर दी। घटना इतनी तेजी से हुई कि उन्हें तत्काल कुछ समझ नहीं आया। चैन खिंचने का अहसास होने पर उन्होंने पीछे देखा, लेकिन भीड़ के कारण किसी संदिग्ध की पहचान नहीं हो सकी।

परिजनों के मुताबिक चोरी हुई चैन का वजन करीब 10 ग्राम था, जबकि उसमें लगभग 3 ग्राम का सोने का पेंडल लगा हुआ था। इस तरह कुल करीब 13 ग्राम सोना चोरी होने की बात कही जा रही है। घटना के बाद पीड़िता और उनके परिजनों ने करैरा थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मंदिर परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। इस घटना के बाद श्रद्धालुओं में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धार्मिक स्थलों

पर बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है, ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किए जाने की आवश्यकता है ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

सवाल जो उठ रहे हैं

क्या मंदिर परिसर में सक्रिय है चैन स्नैचरों का गिरोह?

भीड़भाड़ वाले धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कितनी प्रभावी है?

सीसीटीवी निगरानी के बावजूद आरोपी कैसे बच निकले?

फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही घटना की वास्तविक परिस्थितियां और आरोपियों की पहचान स्पष्ट हो सकेगी।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से प्रदेश में सौर ऊर्जा क्रांति, 'सोलर चाचा' व्हाट्सएप चैटबॉट हुआ लॉन्च

दिलीप पाटीदार

धार, प्रदेशवासियों को बिजली बिल की चिंता से राहत दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (MPUVNL) द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (PMSGMBY) का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत नागरिकों को अपने घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आकर्षक सब्सिडी प्रदान की जा रही है। योजना के तहत मार्च 2027 से पहले रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कराने वाले उपभोक्ताओं को सब्सिडी का लाभ मिलेगा। प्रदेश में अब तक 2 लाख से अधिक उपभोक्ता इस योजना में नामांकन करा चुके हैं और सौर ऊर्जा अपनाकर बिजली खर्च में कमी का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

योजना के तहत 3 किलोवाट क्षमता तक के रूफटॉप सोलर प्लांट पर उपभोक्ताओं को अधिकतम 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा सोलर संयंत्र स्थापना के लिए 5.75 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर से ऋण सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे आम नागरिकों के लिए सौर ऊर्जा अपनाना और अधिक आसान हो गया है। रूफटॉप सोलर सिस्टम लगवाने से उपभोक्ता अपने मासिक बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी ला सकते हैं। कई परिवारों के बिजली बिल लगभग शून्य तक पहुंच गए हैं। सोलर संयंत्रों की औसत आयु लगभग 25 वर्ष होती है, जिससे उपभोक्ताओं को लंबे समय तक आर्थिक लाभ मिलता है। योजना की आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है तथा केवल भारत सरकार के पंजीकृत सोलर वेंडरों के माध्यम से ही संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं।

योजना की जानकारी को आमजन तक सरल

और प्रमाणिक रूप से पहुंचाने के लिए मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड ने व्हाट्सएप आधारित चैटबॉट "सोलर चाचा" का शुभारंभ किया है। इस डिजिटल सुविधा के माध्यम से नागरिक योजना से संबंधित पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, सब्सिडी, पंजीकृत विक्रेताओं और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। इच्छुक हितग्राही प्रचार सामग्री में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं अथवा 8815107640 नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से "Hello" संदेश भेजकर चैटबॉट सेवा का लाभ ले सकते हैं। ऊर्जा विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छ और हरित ऊर्जा को अपनाते हुए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लें तथा आत्मनिर्भर और ऊर्जा-सुरक्षित भविष्य के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। योजना का उद्देश्य न केवल उपभोक्ताओं के बिजली खर्च को कम करना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा देना है।

सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के लिए 12 साल बेमिसाल रहे

आदित्य शर्मा

इंदौर –2014 में 26 मई को नरेंद्र मोदी ने देश के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण लि थी। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के 12 साल बेमिसाल रहे। उन्होंने भारत का कद पूरी दुनिया में ऊंचा किया है।

मोदी ने वो करके दिखाया जो उनसे पहले का कोई भी प्रधानमंत्री नहीं कर पाया। उक्त उद्गार भारतीय जनता पार्टी जिला इंदौर की ग्रामीण बैठक को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली, जबकि जनभागीदारी ने विकास को एक व्यापक जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया।

बैठक का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने बताया कि संगठन की मंशानुसार प्रत्येक माह जिला, मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठ एवं शक्ति केंद्र स्तर पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में पूर्व

में हुए कार्यों की समीक्षा तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पार्टी द्वारा "मोदी जी के 12 साल बेमिसाल" अभियान का आयोजन 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से 21 जून तक किया जाएगा।

सांसद शंकर लालवानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि एनडीए सरकार उपलब्धियों से परिपूर्ण रही है। सरकार ने गरीब, शोषित एवं वंचित वर्गों के कल्याण, किसानों के हित, नारी शक्ति के सशक्तिकरण तथा देश के समग्र विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रही है। बैठक को विधायक मधु वर्मा, पूर्व मंत्री उषा ठाकुर, जिला प्रभारी शैलेंद्र डागा, अजय सिंह नरूका, रवि रावलिया एवं चिंटू वर्मा ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने हाल ही में संपन्न प्रशिक्षण वर्ग की सराहना करते हुए व्यवस्था टोली को बधाई दी तथा कार्यकर्ताओं से प्रशिक्षण वर्ग में प्राप्त ज्ञान और संस्कारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। मीडिया प्रभारी विनोद चंदानी एवं राजेश शर्मा ने बताया कि आगामी सभी कार्यक्रमों के लिए प्रभारी एवं सह-प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। बैठक में इंदौर जिले के वरिष्ठ नेता धन्नालाल पटेल के पुण्य स्मरण पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। वहीं इंदौर मंडल के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन पटेल के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य देवराज सिंह परिहार, सुभाष चौधरी, कंचन सिंह चौहान, उमा नारायण पटेल, घनश्याम नारोलिया, प्रेमसिंह ढाबली, जिला महामंत्री रामस्वरूप गहलोत, अंतर दयाल, वीरेंद्र आंजना, भरत आंजना सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

7 माह बाद मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला को परिजनों से मिलवाया, थाना कनाडिया पुलिस की सराहनीय पहल

राजेश धाकड़

इंदौर। थाना कनाडिया पुलिस ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए 7 माह से लापता एवं मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला को उसके परिजनों से मिलवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना आष्टा में गुमशुदगी क्रमांक 125/25 दिनांक 1/12/25 को दर्ज की गई थी, जिसमें गुमशुदा पूजा मालवीय के मानसिक रूप से विक्षिप्त होने की जानकारी दी गई थी। महिला दिनांक 3/12/25 को थाना कनाडिया क्षेत्र में मिली थी, लेकिन वह अपना नाम-पता तक बताने की स्थिति में नहीं थी। महिला की स्थिति को देखते हुए थाना कनाडिया पुलिस द्वारा उसे आशाजनली ओल्ड होम केयर में भेजा गया, जहां लगातार इलाज और देखभाल की गई। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद महिला ने अपना नाम और पता बताया। इसके बाद संस्था के सदस्यों द्वारा महिला को पुनः थाना कनाडिया लाया गया। जांच में पता चला कि महिला की गुमशुदगी थाना आष्टा में दर्ज है। थाना कनाडिया पुलिस ने तत्काल थाना आष्टा को सूचना दी, जिसके बाद थाना आष्टा स्टाफ एवं महिला की मां सुनीता निवासी धोबी मोहल्ला, आष्टा मौके पर पहुंचे। आवश्यक कार्रवाई के बाद महिला को उसकी मां के सुपुर्द किया गया। इस सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी सहर्ष यादव, आरक्षक मनोज पटेल, आरक्षक रामभजन गुर्जर एवं आरक्षक नीरज की अहम भूमिका रही। पुलिस की इस मानवीय पहल की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

चंदननगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 18.59 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चंदननगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 18.59 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 1.81 लाख रुपये मूल्य की एमडी

ड्रग्स तथा 2 लाख रुपये कीमत की रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल जब्त की है। कुल जब्त मशरूका की कीमत लगभग 3.81 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी तिलक कारोले के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई की गई। पुलिस को सूचना मिलने पर सिंहासा वाइन शॉप क्षेत्र में घेराबंदी की गई, जहां दो संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पीछा कर उन्हें पानी की टंकी के पास पकड़ लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम अभिषेक सोलंकी (25) निवासी सिरपुर तथा अशरफ उर्फ बंटी (30) निवासी ग्रीन पार्क इंदौर बताए। तलाशी के दौरान उनके पास से 18.59 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और जल्दी पैसा कमाने के लालच में मंदसौर और रतलाम क्षेत्र से कम कीमत में एमडी ड्रग्स खरीदकर इंदौर में महंगे दामों पर बेचते थे। पुलिस आरोपियों से ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क और अन्य साथियों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस रिमांड के दौरान ड्रग्स तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी तिलक कारोले, उपनिरीक्षक सौरभ कुशवाह, प्रधान आरक्षक बलराम चौहान, जितेंद्र सोलंकी तथा आरक्षक धीरज पाण्डेय, हरि सिंह राजपूत, अनिल मकवाना, सुनील सोनी और अरुण जाट की सराहनीय भूमिका रही।